लेन-देनों का अभिलेखन - 1

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» व्यावसायिक सौदे और स्त्रोत प्रलेख

प्रश्न 1 (आसान). क्या स्कूल की फीस जमा करना एक व्यावसायिक सौदा है?
उत्तर – हाँ, क्योंकि इसमें पैसे का लेन-देन हुआ है और यह आर्थिक मूल्य रखता है।

प्रश्न 2 (आसान). तुमने अपनी कॉपी पर एक सुंदर चित्र बनाया। क्या यह एक व्यावसायिक सौदा है?
उत्तर – नहीं, क्योंकि इसमें पैसे का कोई लेन-देन नहीं हुआ और न ही कोई आर्थिक मूल्य बदला।

प्रश्न 3 (मध्यम). जब एक दुकान से कपड़े उधार पर खरीदे जाते हैं, तो उसका स्त्रोत प्रलेख क्या होगा?
उत्तर – बीजक (Invoice) या क्रेडिट मेमो।

प्रश्न 4 (कठिन). एक कंपनी ने अपने कर्मचारियों को वेतन दिया। यह किस प्रकार का सौदा है और इसका सामान्य स्त्रोत प्रलेख क्या होगा?
उत्तर – यह एक व्यावसायिक सौदा है (व्यय के रूप में)। इसका स्त्रोत प्रलेख वेतन पर्ची (Salary Slip) या बैंक स्टेटमेंट हो सकता है।

» लेखांकन प्रमाणकों की तैयारी

प्रश्न 5 (आसान). जब आप किसी को नकद भुगतान करते हैं, तो किस प्रकार का लेखांकन प्रमाणक बनाते हैं?
उत्तर – रोकड़ प्रमाणक (Cash Voucher)

प्रश्न 6 (आसान). लेखांकन प्रमाणक में सबसे ऊपर क्या लिखा होना चाहिए?
उत्तर – फर्म का नाम

प्रश्न 7 (मध्यम). सोहन ने ₹10,000 का माल उधार बेचा। इसके लिए कौन सा प्रमाणक बनेगा, और क्यों?
उत्तर – जमा प्रमाणक (Credit Voucher) बनेगा क्योंकि माल बेचा गया है, जिससे आय बढ़ेगी या देनदार बनेगा। इसमें ग्राहक का खाता डेबिट और बिक्री खाता क्रेडिट होगा।

प्रश्न 8 (कठिन). अगर एक ही लेन-देन में एक से ज़्यादा डेबिट या क्रेडिट खाते शामिल हों (जैसे वेतन, किराया और बिजली बिल का भुगतान एक साथ), तो कौन सा प्रमाणक बनता है?
उत्तर – जर्नल प्रमाणक (Journal Voucher) या जटिल प्रमाणक।

» लेखांकन समीकरण और इसका अनुप्रयोग

प्रश्न 9 (आसान). व्यापार ने 1,00,000 रुपये का नकद फर्नीचर खरीदा। लेखांकन समीकरण पर इसका क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – कैश (परिसंपत्ति) 1,00,000 से कम होगा, और फर्नीचर (परिसंपत्ति) 1,00,000 से बढ़ेगा। देयता और पूंजी अपरिवर्तित रहेंगी। समीकरण संतुलित रहेगा।

प्रश्न 10 (आसान). व्यवसाय ने 2,00,000 रुपये का बैंक ऋण लिया। लेखांकन समीकरण पर इसका क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – कैश/बैंक (परिसंपत्ति) 2,00,000 से बढ़ेगा, और बैंक ऋण (देयता) 2,00,000 से बढ़ेगा। पूंजी अपरिवर्तित रहेगी। समीकरण संतुलित रहेगा।

प्रश्न 11 (मध्यम). सुमित ने 80,000 रुपये की मशीनरी उधार पर खरीदी। इसका लेखांकन समीकरण पर क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – मशीनरी (परिसंपत्ति) 80,000 से बढ़ेगी, और लेनदार (देयता) 80,000 से बढ़ेगा। पूंजी अपरिवर्तित रहेगी। समीकरण संतुलित रहेगा।

प्रश्न 12 (कठिन). रमेश ने 20,000 रुपये का माल 30,000 रुपये में नकद बेचा। इसका लेखांकन समीकरण पर क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – कैश (परिसंपत्ति) 30,000 से बढ़ेगा। माल (परिसंपत्ति) 20,000 से कम होगा। लाभ 10,000 (30,000-20,000) होने के कारण पूंजी 10,000 से बढ़ेगी। समीकरण संतुलित रहेगा: (+30,000 कैश, -20,000 माल) = (+10,000 पूंजी)।

» नाम (Debit) और जमा (Credit) का प्रयोग

प्रश्न 13 (आसान). अगर आपने फर्नीचर खरीदा है, तो फर्नीचर खाता डेबिट होगा या क्रेडिट?
उत्तर – डेबिट (क्योंकि फर्नीचर संपत्ति है और बढ़ रही है)

प्रश्न 14 (आसान). अगर आपने बैंक से लोन लिया है, तो बैंक लोन खाता डेबिट होगा या क्रेडिट?
उत्तर – क्रेडिट (क्योंकि बैंक लोन देयता है और बढ़ रही है)

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर आपने ग्राहकों को माल बेचा है और आपको नकद प्राप्त हुआ है, तो नकद खाता और बिक्री खाता कैसे प्रभावित होंगे?
उत्तर – नकद खाता डेबिट होगा (नकद बढ़ रहा है) और बिक्री खाता क्रेडिट होगा (आय बढ़ रही है)।

प्रश्न 16 (कठिन). अगर आपने अपने कर्मचारी को सैलरी दी है, तो सैलरी खाता और नकद खाता कैसे प्रभावित होंगे?
उत्तर – सैलरी खाता डेबिट होगा (खर्चा बढ़ रहा है) और नकद खाता क्रेडिट होगा (नकद कम हो रहा है)।

» नाम और जमा के नियम

प्रश्न 17 (आसान). यदि व्यापार में ₹1,00,000 की नई पूंजी लगाई गई, तो पूंजी खाते को डेबिट करेंगे या क्रेडिट?
उत्तर – क्रेडिट

प्रश्न 18 (आसान). बिजली का बिल ₹2,000 नकद चुकाया गया। बिजली का बिल (व्यय) खाते को क्या करेंगे?
उत्तर – डेबिट

प्रश्न 19 (मध्यम). बैंक से ₹10,000 का लोन लिया। इस लेन-देन में बैंक खाते और ऋण (लोन) खाते पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर – बैंक खाता डेबिट (परिसंपत्ति बढ़ी), ऋण खाता क्रेडिट (देयता बढ़ी)

प्रश्न 20 (कठिन). आपने ₹20,000 का माल उधार खरीदा। विक्रेता को अभी भुगतान नहीं किया। माल खाता (क्रय) और लेनदार खाते पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर – क्रय खाता डेबिट (व्यय बढ़ा), लेनदार खाता क्रेडिट (देयता बढ़ी)

» प्रारंभिक प्रविष्टि की पुस्तकें: रोजनामचा

प्रश्न 21 (आसान). प्रारंभिक प्रविष्टि की पुस्तक का दूसरा नाम क्या है?
उत्तर – रोजनामचा या जर्नल

प्रश्न 22 (आसान). रोजनामचा में लेन-देनों को किस क्रम में लिखा जाता है?
उत्तर – कालक्रमानुसार (दिनांक के अनुसार)

प्रश्न 23 (मध्यम). अगर कोई लेन-देन रोजनामचा में दर्ज नहीं किया गया, तो उसका खातों पर क्या प्रभाव होगा?
उत्तर – खातों में सही जानकारी दर्ज नहीं हो पाएगी और हिसाब-किताब अधूरा या गलत रह जाएगा।

प्रश्न 24 (कठिन). रोजनामचा में प्रविष्टि के लिए 'स्रोत प्रलेख' क्यों महत्वपूर्ण हैं?
उत्तर – स्रोत प्रलेख (जैसे बिल, वाउचर) लेन-देन के प्रमाण होते हैं, जिनके बिना रोजनामचा में कोई एंट्री करना गलत और अविश्वसनीय होगा। वे लेन-देन की सत्यता और राशि को सत्यापित करते हैं।

» जर्नल प्रविष्टियाँ: सरल और मिश्रित

प्रश्न 25 (आसान). 15 फरवरी को 10,000 रुपये का माल नकद बेचा। जर्नल प्रविष्टि बनाओ।
उत्तर – रोकड़ खाता Dr. 10,000; विक्रय खाते से 10,000।

प्रश्न 26 (आसान). 20 मार्च को 5,000 रुपये का किराया नकद चुकाया। जर्नल प्रविष्टि बनाओ।
उत्तर – किराया खाता Dr. 5,000; रोकड़ खाते से 5,000।

प्रश्न 27 (मध्यम). 1 अप्रैल को व्यवसाय 2,00,000 रुपये नकद और 50,000 रुपये के फर्नीचर के साथ शुरू किया। जर्नल प्रविष्टि बनाओ।
उत्तर – रोकड़ खाता Dr. 2,00,000; फर्नीचर खाता Dr. 50,000; पूंजी खाते से 2,50,000।

प्रश्न 28 (कठिन). 10 मई को 60,000 रुपये का माल रमेश से खरीदा। इसमें से 10,000 रुपये नकद दिए, 20,000 रुपये का चेक दिया और शेष उधार रखा। जर्नल प्रविष्टि बनाओ। (GST को अभी शामिल न करें)
उत्तर – क्रय खाता Dr. 60,000; रोकड़ खाते से 10,000; बैंक खाते से 20,000; रमेश के खाते से 30,000।

» खाता बही की भूमिका और प्रारूप

प्रश्न 29 (आसान). लेखांकन में खाता बही की क्या भूमिका है?
उत्तर – यह लेखांकन प्रणाली की मुख्य पुस्तक है जो विभिन्न खातों से संबंधित सौदों को वर्गीकृत और सारांशित करती है।

प्रश्न 30 (आसान). खाता बही में कौन से पक्ष होते हैं?
उत्तर – खाता बही में दो पक्ष होते हैं - नाम पक्ष (Debit) और जमा पक्ष (Credit)।

प्रश्न 31 (मध्यम). जर्नल प्रविष्टि और खाता बही में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – जर्नल में लेनदेन तिथि के अनुसार दर्ज होते हैं, जबकि खाता बही में वे खातों के अनुसार वर्गीकृत होते हैं।

प्रश्न 32 (कठिन). खाता बही क्यों ज़रूरी है? जर्नल से काम क्यों नहीं चल सकता?
उत्तर – जर्नल केवल कालक्रमानुसार जानकारी देता है। किसी विशेष खाते का कुल प्रभाव (जैसे कितना पैसा आया या गया) जानने के लिए खाता बही ज़रूरी है, क्योंकि यह जानकारी को वर्गीकृत करके प्रस्तुत करता है।

» खातों का वर्गीकरण: स्थायी और अस्थायी खाते

प्रश्न 33 (आसान). भवन (Building) कौन सा खाता है – स्थायी या अस्थायी?
उत्तर – स्थायी खाता

प्रश्न 34 (आसान). बिक्री (Sales) कौन सा खाता है – स्थायी या अस्थायी?
उत्तर – अस्थायी खाता

प्रश्न 35 (मध्यम). प्रॉपराइटर द्वारा व्यापार में लगाया गया धन (Capital) किस श्रेणी में आता है?
उत्तर – स्थायी खाते

प्रश्न 36 (कठिन). वित्तीय वर्ष के अंत में किस प्रकार के खातों को बंद करके उनके शेष को व्यापार या लाभ-हानि खाते में हस्तांतरित किया जाता है?
उत्तर – अस्थायी खाते

» रोजनामचे से खतौनी (Posting)

प्रश्न 37 (आसान). अगर आपने ₹10,000 का सामान नकद बेचा, तो किस खाते को डेबिट और किस खाते को क्रेडिट करेंगे? खतौनी में यह कहाँ दिखेगा?
उत्तर – रोजनामचे में: रोकड़ खाता डेबिट ₹10,000, विक्रय खाता क्रेडिट ₹10,000। खतौनी में: रोकड़ खाते के डेबिट में 'विक्रय' और विक्रय खाते के क्रेडिट में 'रोकड़' दिखेगा।

प्रश्न 38 (आसान). आपने ₹5,000 का किराया नकद चुकाया। रोजनामचे की प्रविष्टि बताएं और खतौनी में यह कहाँ दिखेगा?
उत्तर – रोजनामचे में: किराया खाता डेबिट ₹5,000, रोकड़ खाता क्रेडिट ₹5,000। खतौनी में: किराया खाते के डेबिट में 'रोकड़' और रोकड़ खाते के क्रेडिट में 'किराया' दिखेगा।

प्रश्न 39 (मध्यम). मै. गुलमोहर फैशन हाउस से ₹30,000 का माल उधार खरीदा। इस लेन-देन की रोजनामचे की प्रविष्टि और खतौनी कहाँ-कहाँ होगी?
उत्तर – रोजनामचे में: क्रय खाता डेबिट ₹30,000, गुलमोहर फैशन हाउस खाता क्रेडिट ₹30,000। खतौनी में: क्रय खाते के डेबिट में 'गुलमोहर फैशन हाउस' और गुलमोहर फैशन हाउस खाते के क्रेडिट में 'क्रय' दिखेगा।

प्रश्न 40 (कठिन). मोहित ब्रदर्स को ₹10,000 का माल उधार बेचा। बाद में मोहित ब्रदर्स से ₹10,000 का चेक मिला, जिसे उसी दिन बैंक में जमा कर दिया गया। इन दोनों लेन-देनों की खतौनी कैसे होगी?
उत्तर – पहला लेन-देन (उधार बेचा): रोजनामचे में 'मोहित ब्रदर्स खाता डेबिट', 'विक्रय खाता क्रेडिट'। खतौनी में: मोहित ब्रदर्स खाते के डेबिट में 'विक्रय' और विक्रय खाते के क्रेडिट में 'मोहित ब्रदर्स'। दूसरा लेन-देन (चेक मिला): रोजनामचे में 'बैंक खाता डेबिट', 'मोहित ब्रदर्स खाता क्रेडिट'। खतौनी में: बैंक खाते के डेबिट में 'मोहित ब्रदर्स' और मोहित ब्रदर्स खाते के क्रेडिट में 'बैंक'।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. श्री राम ने 10,000 रुपये का फर्नीचर नकद खरीदा। इस लेन-देन को पहचानें और इसके ड्डोत प्रलेख का नाम बताइए।

› पहला कदम: पहचानना कि यह एक व्यावसायिक सौदा है या नहीं। हाँ, फर्नीचर खरीदने पर 10,000 रुपये का भुगतान हुआ है, जो बिज़नेस के पैसे को प्रभावित करता है।

› दूसरा कदम: सौदे के दोनों पक्षों को पहचानना। यहाँ, श्री राम को फर्नीचर मिला (लेना पक्ष) और उन्होंने 10,000 रुपये दिए (देना पक्ष)।

› तीसरा कदम: इस तरह के नकद खरीद के लिए आमतौर पर कौन सा ड्डोत प्रलेख मिलता है, ये सोचना।

› निष्कर्ष: यह एक व्यावसायिक सौदा है क्योंकि इसमें आर्थिक मूल्य का लेन-देन हुआ है। इसका ड्डोत प्रलेख 'कैश मेमो' (रोकड़ पर्ची) होगा।

उत्तर – यह एक व्यावसायिक सौदा है। इसका ड्डोत प्रलेख कैश मेमो (रोकड़ पर्ची) है।

उदाहरण 2. मान लो, 'श्याम ट्रेडर्स' ने 10 जनवरी 2024 को 'मोहन फर्नीचर' से ₹5,000 का सामान नकद खरीदा। आपको इसके लिए 'रोकड़ प्रमाणक' बनाना है।

› सबसे ऊपर फर्म का नाम लिखेंगे: 'श्याम ट्रेडर्स'।

› तिथि: '10 जनवरी 2024' लिखेंगे।

› प्रमाणक संख्या: एक क्रम संख्या, मान लो 'V-001'।

› यह नकद भुगतान है, तो यह 'रोकड़ प्रमाणक' (Cash Voucher) होगा।

› इसमें एक खाता 'नाम' (Debit) होगा: 'क्रय खाता' (Purchases A/c) क्योंकि हमने सामान खरीदा है।

› दूसरा खाता 'जमा' (Credit) होगा: 'रोकड़ खाता' (Cash A/c) क्योंकि नकद गया है।

› राशि: ₹5,000 अंकों में लिखेंगे।

› विवरण: 'मोहन फर्नीचर से नकद सामान खरीदा' जैसा कुछ लिखेंगे।

› नीचे 'बनाने वाले' (Prepared By) और 'अनुमोदन करने वाले' (Approved By) के हस्ताक्षर के लिए जगह छोड़ेंगे।

उत्तर – रोकड़ प्रमाणक बनेगा, जिसमें क्रय खाते को ₹5,000 से डेबिट और रोकड़ खाते को ₹5,000 से क्रेडिट दिखाया जाएगा, साथ ही सभी आवश्यक विवरण होंगे।

उदाहरण 3. मान लीजिए रोहित ने 5,00,000 रुपये की पूंजी से व्यापार शुरू किया। फिर उसने SBI में 4,80,000 रुपये का बैंक खाता खोला और 60,000 रुपये का फर्नीचर खरीदा जिसका भुगतान चेक से किया। इन लेन-देनों का लेखांकन समीकरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

› 1. सबसे पहले, रोहित ने 5,00,000 रुपये की पूंजी लगाई:
› परिसंपत्तियां (कैश) = 5,00,000
› देयताएं = 0
› पूंजी = 5,00,000
› समीकरण: 5,00,000 = 0 + 5,00,000 (संतुलित)
› 2. SBI में 4,80,000 रुपये का बैंक खाता खोला:
› यहां कैश 4,80,000 से कम हुआ (परिसंपत्ति), और बैंक बैलेंस 4,80,000 से बढ़ गया (दूसरी परिसंपत्ति).
› नया कैश = 5,00,000 - 4,80,000 = 20,000
› बैंक = 4,80,000
› पूंजी = 5,00,000 (कोई बदलाव नहीं)
› समीकरण: (20,000 + 4,80,000) = 0 + 5,00,000 (संतुलित)
› 3. 60,000 रुपये का फर्नीचर खरीदा, भुगतान चेक से:
› फर्नीचर 60,000 से बढ़ा (परिसंपत्ति), और बैंक बैलेंस 60,000 से कम हुआ (परिसंपत्ति).
› कैश = 20,000
› बैंक = 4,80,000 - 60,000 = 4,20,000
› फर्नीचर = 60,000
› पूंजी = 5,00,000 (कोई बदलाव नहीं)
› समीकरण: (20,000 + 4,20,000 + 60,000) = 0 + 5,00,000
› समीकरण: 5,00,000 = 0 + 5,00,000 (संतुलित)

उत्तर – सभी लेन-देनों के बाद भी लेखांकन समीकरण (परिसंपत्तियां = देयताएं + पूंजी) हमेशा संतुलित रहता है।

उदाहरण 4. विजय ने ₹10,000 नकद से व्यापार शुरू किया। इस लेन-देन को T-आकार के खाते में कैसे दिखाएंगे?

› पहचानो कि कौन से खाते प्रभावित हो रहे हैं: पहला 'नकद' खाता (संपत्ति है), और दूसरा 'पूंजी' खाता (मालिक की पूंजी)।
› अब सोचो, 'नकद' बढ़ रहा है, क्योंकि व्यापार में पैसा आ रहा है। संपत्ति बढ़ती है तो उसे 'डेबिट' करते हैं।
› दूसरी तरफ, 'पूंजी' भी बढ़ रही है, क्योंकि मालिक ने पैसा लगाया है। पूंजी बढ़ती है तो उसे 'क्रेडिट' करते हैं।
› तो 'नकद खाते' के बाईं ओर (डेबिट पक्ष) ₹10,000 लिखेंगे।
› और 'पूंजी खाते' के दाईं ओर (क्रेडिट पक्ष) ₹10,000 लिखेंगे।

उत्तर – नकद खाता: डेबिट ₹10,000; पूंजी खाता: क्रेडिट ₹10,000।

उदाहरण 5. एक फर्नीचर व्यापारी ने ₹50,000 नकद देकर नया सोफा खरीदा। इस लेन-देन को डेबिट और क्रेडिट के नियमों के अनुसार कैसे दर्ज करेंगे?

› पहला प्रभाव: 'फर्नीचर' बढ़ रहा है। फर्नीचर एक परिसंपत्ति है। परिसंपत्ति जब बढ़ती है, तो उसे नाम (डेबिट) करते हैं।
› दूसरा प्रभाव: 'नकद' कम हो रहा है। नकद भी एक परिसंपत्ति है। परिसंपत्ति जब घटती है, तो उसे जमा (क्रेडिट) करते हैं।
› तो, फर्नीचर खाते को ₹50,000 से डेबिट करेंगे, और नकद खाते को ₹50,000 से क्रेडिट करेंगे।

उत्तर – फर्नीचर खाता Dr. ₹50,000, नकद खाता Cr. ₹50,000

उदाहरण 6. मान लीजिए, 5 जनवरी 2024 को आपने अपने व्यापार के लिए ₹10,000 नकद से फर्नीचर खरीदा। इस लेन-देन को रोजनामचा में कैसे दर्ज करेंगे?

› सबसे पहले पहचानो कि कौन से खाते प्रभावित हो रहे हैं: 'फर्नीचर खाता' और 'नकद खाता'।

› अब नियमों के अनुसार: फर्नीचर एक परिसंपत्ति है, वो बढ़ रहा है, तो 'फर्नीचर खाता' डेबिट होगा। नकद भी परिसंपत्ति है, वो घट रहा है, तो 'नकद खाता' क्रेडिट होगा।

› रोजनामचा में एंट्री इस प्रकार करेंगे: तारीख (Date) कॉलम में '2024 Jan 5' लिखेंगे।

› विवरण (Particulars) कॉलम में पहले डेबिट होने वाले खाते का नाम लिखेंगे: 'फर्नीचर खाता Dr.'

› फिर थोड़ा अंदर खिसक कर क्रेडिट होने वाले खाते का नाम लिखेंगे: 'नकद खाता Cr.' (या 'नकद खाते से' – 'To Cash A/c')

› नरेशन (Narration) में एक छोटी सी व्याख्या लिखेंगे: '(फर्नीचर नकद में खरीदा)'

› डेबिट राशि कॉलम में ₹10,000 और क्रेडिट राशि कॉलम में भी ₹10,000 लिखेंगे।

उत्तर – रोजनामचा में एंट्री होगी: फर्नीचर खाता डेबिट ₹10,000 और नकद खाता क्रेडिट ₹10,000, साथ में संक्षिप्त विवरण।

उदाहरण 7. मान लीजिए, 10 जनवरी 2024 को आपने ऑफिस के लिए 50,000 रुपये का फर्नीचर खरीदा। इसमें से 20,000 रुपये नकद दिए और बाकी 30,000 रुपये का भुगतान चेक से किया। इसकी जर्नल प्रविष्टि क्या होगी?

› सबसे पहले पहचानो कि कौन-कौन से खाते प्रभावित हो रहे हैं। यहाँ फर्नीचर (संपत्ति बढ़ी), रोकड़ (संपत्ति घटी) और बैंक (संपत्ति घटी) ये तीन खाते हैं।

› अब डेबिट और क्रेडिट के नियम लगाओ। फर्नीचर हमारे पास आ रहा है, तो फर्नीचर खाता डेबिट (संपत्ति बढ़ी)।

› रोकड़ हमारे पास से जा रही है, तो रोकड़ खाता क्रेडिट (संपत्ति घटी)।

› बैंक से भी पैसे जा रहे हैं, तो बैंक खाता क्रेडिट (संपत्ति घटी)।

› फर्नीचर खाता Dr. 50,000

› रोकड़ खाते से (Cr.) 20,000

› बैंक खाते से (Cr.) 30,000

› (ऑफिस फर्नीचर नकद और चेक द्वारा खरीदा गया)

› ध्यान से देखो, डेबिट का कुल (50,000) और क्रेडिट का कुल (20,000 + 30,000 = 50,000) बराबर है।

› यह एक मिश्रित प्रविष्टि का उदाहरण है क्योंकि यहाँ दो से अधिक खाते प्रभावित हुए हैं।

उत्तर – जर्नल प्रविष्टि इस प्रकार होगी:

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	नाम (राशि रु.)	जमा (राशि रु.)
2024				
जनवरी 10	फर्नीचर खाता Dr.		50,000	
	रोकड़ खाते से			20,000
	बैंक खाते से			30,000
	(ऑफिस फर्नीचर नकद और चेक द्वारा खरीदा गया)			

उदाहरण 8. खाता बही का प्रारूप बनाइए और उसके मुख्य कॉलमों के नाम बताइए।

› सबसे पहले, एक 'T' अक्षर जैसा ढाँचा बनाइए।

› ऊपर बीच में खाते का नाम लिखिए (जैसे, 'नकद खाता')।

› बाएँ तरफ़ (डेबिट पक्ष) में 'तिथि', 'विवरण', 'ज.पृ.सं.', 'राशि' कॉलम बनाइए।

› दाएँ तरफ़ (क्रेडिट पक्ष) में भी 'तिथि', 'विवरण', 'ज.पृ.सं.', 'राशि' कॉलम बनाइए।

उत्तर – खाता बही का प्रारूप (T-आकार खाता): बायाँ पक्ष नाम (Debit) और दायाँ पक्ष जमा (Credit) कहलाता है। दोनों पक्षों में 'तिथि', 'विवरण', 'ज.पृ.सं.' (जर्नल पृष्ठ संख्या) और 'राशि' के कॉलम होते हैं।

उदाहरण 9. नीचे दिए गए खातों को स्थायी और अस्थायी खातों में वर्गीकृत कीजिए: 1. वेतन (Salary), 2. मशीनरी (Machinery), 3. करिाया प्राप्त (Rent Received), 4. ऋण (Loan), 5. पूंजी (Capital).

› सबसे पहले, हर खाते के स्वभाव को पहचानो। क्या यह हर साल बदलता है, या लंबे समय तक रहता है?

› वेतन (Salary): यह एक खर्चा है जो हर महीने/साल दिया जाता है। तो यह अस्थायी खाता है।

› मशीनरी (Machinery): यह एक संपत्ति है जो लंबे समय तक व्यापार में रहती है। तो यह स्थायी खाता है।

› किराया प्राप्त (Rent Received): यह एक आय है जो इस साल मिली, अगले साल फिर नई होगी। तो यह अस्थायी खाता है।

› ऋण (Loan): यह एक देयता है जो एक लंबी अवधि के लिए होती है और साल-दर-साल चलती है। तो यह स्थायी खाता है।

› पूंजी (Capital): यह व्यापार के मालिक द्वारा लगाया गया धन है, जो लंबे समय तक रहता है। तो यह स्थायी खाता है।

उत्तर – स्थायी खाते: मशीनरी, ऋण, पूंजी। अस्थायी खाते: वेतन, किराया प्राप्त।

उदाहरण 10. मै. मल्लिका फैशन हाउस ने 05 जून को नकद धनराशि से व्यापार आरंभ किया - ₹2,00,000। इस लेन-देन की रोजनामचे से खतौनी कीजिए।

› पहला चरण: हम रोजनामचे की प्रविष्टि देखेंगे। इसमें 'रोकड़ खाता डेबिट' हुआ है और 'पूँजी खाता क्रेडिट' हुआ है।

› दूसरा चरण: अब हम सबसे पहले रोकड़ खाते में जाएंगे। चूंकि रोकड़ खाता डेबिट हुआ है, तो हम इसके डेबिट (नाम) पक्ष में लिखेंगे।

› तीसरा चरण: तिथि लिखेंगे - 05 जून।

› चौथा चरण: विवरण में हम उस खाते का नाम लिखेंगे जो क्रेडिट हुआ था, यानी 'पूँजी'।

› पांचवां चरण: रो.पृ.सं. (रोजनामचे का पृष्ठ संख्या) और राशि ₹2,00,000 लिखेंगे।

› छठा चरण: अब हम दूसरे खाते, पूँजी खाते में जाएंगे। चूंकि पूँजी खाता क्रेडिट हुआ था, तो हम इसके क्रेडिट (जमा) पक्ष में लिखेंगे।

› सातवां चरण: तिथि लिखेंगे - 05 जून।

› आठवां चरण: विवरण में हम उस खाते का नाम लिखेंगे जो डेबिट हुआ था, यानी 'रोकड़'।

› नौवां चरण: रो.पृ.सं. और राशि ₹2,00,000 लिखेंगे।

उत्तर – रोकड़ खाते के डेबिट पक्ष में 'पूँजी' के नाम से ₹2,00,000 और पूँजी खाते के क्रेडिट पक्ष में 'रोकड़' के नाम से ₹2,00,000 की प्रविष्टि।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लेखांकन की नींव है। व्यावसायिक सौदों के प्रकार और विभिन्न ड्डोत प्रलेखों के उदाहरणों को अच्छे से समझना और याद रखना, सीधे-सीधे नंबर दिला सकता है।

• लेखांकन प्रमाणक का प्रारूप बनाना बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। नाम, जमा, और जर्नल प्रमाणक के मुख्य तत्व और उनके उपयोग अच्छे से समझ लेना।

• डेबिट और क्रेडिट के नियम अलग-अलग खातों (संपत्ति, देयता, पूंजी, आय, व्यय) के लिए अलग-अलग होते हैं। इन्हें अच्छी तरह से याद कर लेना, क्योंकि जर्नल एंट्रीज़ में इनकी बहुत ज़रूरत पड़ेगी।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि 'निम्न लेन-देन को डेबिट/क्रेडिट के नियमों के अनुसार कैसे दर्ज करेंगे?' इसलिए इन नियमों को ठीक से रट लो और अभ्यास करो!

• रोजनामचा की प्रविष्टि (Journal Entry) बनाना बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है, खासकर अलग-अलग तरह के लेन-देनों के लिए। इसके प्रारूप और नियमों को अच्छे से समझना बहुत ज़रूरी है।

• मिश्रित जर्नल प्रविष्टियाँ बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछी जाती हैं, खासकर जब लेन-देन में एक साथ नकद, बैंक और उधार जैसी चीजें शामिल हों। यहाँ डेबिट और क्रेडिट का योग बराबर है या नहीं, यह चेक करना मत भूलना, इसके नंबर कटते हैं!

• खाता बही का प्रारूप बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। इसके सभी कॉलमों के नाम और उनका महत्व अच्छे से याद कर लेना, खासकर 'ज.पृ.सं.' (जर्नल फोलियो) का उद्देश्य।

• यह वर्गीकरण वित्तीय विवरण (Financial Statements) जैसे तुलन-पत्र और लाभ-हानि खाता बनाते समय बहुत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए इसे अच्छे से समझना बोर्ड परीक्षा के लिए ज़रूरी है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर एक पूरा सवाल खतौनी करने पर आता है, जिसमें रोजनामचा बनाकर खतौनी करनी होती है। इसके चरणों को अच्छे से समझ लो।

एक नज़र में रिवीज़न

› व्यावसायिक सौदे = आर्थिक लेन-देन; स्रोत प्रलेख = सौदे का प्रमाण (कैश मेमो, बीजक)।

› लेखांकन प्रमाणक: स्रोत प्रलेख से बनी डेबिट/क्रेडिट एंट्री का आधार।

› डेबिट: खाते का बायां पक्ष (Dr.); क्रेडिट: खाते का दायां पक्ष (Cr.)।

› परिसंपत्ति/व्यय: डेबिट (बढ़ने पर), क्रेडिट (घटने पर); देयता/पूँजी/आय: क्रेडिट (बढ़ने पर), डेबिट (घटने पर).

› रोजनामचा: प्रारंभिक प्रविष्टि की पुस्तक, कालक्रमानुसार डेबिट/क्रेडिट दर्ज करना।

› जर्नल प्रविष्टि: सरल (2 खाते) या मिश्रित (2+ खाते), डेबिट-क्रेडिट हमेशा बराबर।

› खाता बही: लेखांकन की मुख्य पुस्तक, वर्गीकृत सारांश, T-आकार प्रारूप।

› स्थायी (परिसंपत्तियां, देयताएं, पूंजी) शेष आगे; अस्थायी (आय, व्यय) वर्ष अंत में बंद।

› खतौनी: रोजनामचे की प्रविष्टियों को खातों में व्यवस्थित करना, आवधिक प्रक्रिया।